दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः- 06
अंकः- 177
मुरादाबाद
(Saturday)
17 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सप्तमं कालरात्रीति

‘ओम ऐं ह्रीं क्लीं कालरात्र्यै नमः

यह माँ का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी माँ का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

खरगे की पीएम मोदी को चिट्ठी: परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने संसद के मानसून सत्र को स्थगित करने में हुई असाधारण देरी का मुद्दा उठाया।

खरगे ने परिसीमन के नए प्रस्तावों पर अंतिम फैसला लेने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। उन्होंने संविधान संशोधन विधेयक को जल्दबाजी में पारित कराने की कोशिश न करने की चेतावनी भी दी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद के मानसून सत्र को स्थगित करने में हुई ‘अभूतपूर्व’ देरी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है।

खरगे ने प्रधानमंत्री से कहा है कि परिसीमन के नए प्रस्तावों को अंतिम रूप देने और संसद में विचार के लिए पेश करने से पहले सभी राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई जाए।खरगे ने प्रधानमंत्री से कहा कि संसद में व्यापक प्रभाव वाले संविधान संशोधन विधेयक को जल्दबाजी में पारित कराने की कोशिश दोबारा न की जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले भी ऐसा करने का प्रयास किया था।

गाजियाबाद में योगी: सीएम का सपा पर हमला, बोले- इन्होंने गिरगिट की तरह बदला रंग, टिकट बेचने का किया काम

सीएम योगी का कांग्रेस पर हमला, बोले- लोकतंत्र में सत्ता का मार्ग जनादेश से निकलता है, अराजकता से नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में मतदाताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्यसभा चुनाव में मिली सफलता का जिक्र किया और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गाजियाबाद के डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में आयोजित मतदाता सम्मेलन में विधान परिषद चुनाव के मतदाताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उसके शासनकाल में दंगों, कर्फ्यू और बदहाल सड़कों का मुद्दा उठाया। सीएम योगी ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में सुरक्षा, धार्मिक आयोजनों, बुनियादी ढांचे और शिक्षा के क्षेत्र में हुए कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने सहारनपुर के शाकुंभरी कॉरिडोर, नमो भारत ट्रेन और जेवर एयरपोर्ट का भी उल्लेख किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता-जनार्दन ने राजनीति के इन मारीचों-कालनेमियों को पहचानकर ही सत्ता से दूर रखा है। अब ये देश को अराजकता की आग में झोंककर कुर्सी हथियाना चाहते हैं। उनकी इस सियासी साजिश को देश कभी सफल नहीं होने देगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस सहित विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि हमारी युवाशक्ति भारत का भविष्य संवारने के लिए है, किसी की सत्ता की भूख मिटाने के लिए नहीं। उन्होंने एक्स पर बयान देकर कहा कि लोकतंत्र में सत्ता का मार्ग जनादेश से निकलता है, अराजकता से नहीं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि चुनाव सुधार का मुखौटा, न्याय का नारा और लोकतंत्र की दुहाई देकर देश में अस्थिरता के बीज बोने वालों को समझना होगा कि भारत का लोकतंत्र जन-विश्वास की जड़ों पर खड़ा विशाल वटवृक्ष है, जिसे षड्यंत्रों के अंधड़ हिला नहीं सकते।उन्होंने एक्स पर बयान दिया कि लोकतंत्र में सत्ता का मार्ग जनादेश से निकलता है, अराजकता से नहीं।

बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में सत्ता परिवर्तन का स्वप्न देखने वाली शक्तियां युवाओं के हाथों में राष्ट्र निर्माण की मशाल के स्थान पर अराजकता के औजार थमाना चाहती हैं।चुनाव सुधार का मुखौटा, न्याय का नारा और लोकतंत्र की दुहाई देकर देश में अस्थिरता के बीज बोने वालों को समझना होगा कि भारत का लोकतंत्र जन-विश्वास की जड़ों पर खड़ा विशाल वटवृक्ष है, जिसे षड्यंत्रों के अंधड़ हिला नहीं सकते। हमारी युवाशक्ति भारत का भविष्य संवारने के लिए है, किसी की सत्ता की भूख मिटाने के लिए नहीं।जनता-जनार्दन ने राजनीति के इन मारीचों-कालनेमियों को पहचानकर ही सत्ता से दूर रखा है। अब ये देश को अराजकता की आग में झोंककर कुर्सी हथियाना चाहते हैं। उनकी इस सियासी साजिश को देश कभी सफल नहीं होने देगा। कांग्रेस समेत विपक्ष भाजपा सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है। इसे लेकर प्रदर्शन जारी है। मुख्यमंत्री ने भगवान राम, हनुमान, वृंदावन के बांके बिहारी, मां शाकुंभरी और भगवान शिव का नाम लेकर संबोधन शुरू किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि नवरात्र चल रहे हैं और आज हम मां कात्यायनी स्वरूप की आराधना करते हैं।आगामी चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश में विधान परिषद का चुनाव राज्यसभा से बेहतर होने वाला है। सपा की हकीकत सामने आ गई है। सपा ने गिरगिट की तरह रंग बदला है। उन्होंने टिकट बेचने का काम किया। उनके पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट पार्टी है। इसी तर्ज पर चाचा जान को टिकट दिया। इसके बाद %पराया धन अपना की तर्ज पर मुंबई के कारोबारी को टिकट दिया।सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सपा के शासनकाल में प्रदेश की पहचान दंगों, कर्फ्यू और टूटी सड़कों से होती थी। उस समय प्रदेश में निवेश नहीं आता था। आजम खां की यूनिवर्सिटी के लिए अलग नियम बनाए गए, जबकि अन्य वैश्विक स्तर के विश्वविद्यालयों को बनने नहीं दिया जाता था। भाजपा सरकार ने सुरक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में काम किया है। सपा के शासनकाल में कांवड़ यात्रा संभव नहीं- सीएम योगी ने कहा कि वह गाजियाबाद से आ रहे थे। यहां बड़े-बड़े रामलीला आयोजन हो रहे हैं। सपा की सरकार होती तो दंगे हो गए होते। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कोई दंगा नहीं हुआ। यह भारत की पहचान है।

सपा के शासनकाल में कांवड़ यात्रा और रामलीला संभव नहीं थी। नवरात्र में दुर्गापूजा के पंडाल तक नहीं लग पाते थे। आज डबल इंजन की सरकार में विरासत का संरक्षण हो रहा है। काशी विश्वनाथ धाम का विकास और राम मंदिर का निर्माण हुआ है।उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मां शाकुंभरी कॉरिडोर का काम चल रहा है। पहले दर्शन के दौरान पानी आने से श्रद्धालुओं को परेशानी होती थी। अब वहां एलिवेटेड मार्ग बनाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सकेंगे। सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार ने एक्सप्रेसवे के लिए धनराशि रोक दी थी, जबकि भाजपा सरकार ने इन परियोजनाओं के काम को आगे बढ़ाया। नमो भारत ट्रेन ने दिल्ली और मेरठ के बीच की दूरी को कम किया है। प्रदेश को जेवर एयरपोर्ट की सौगात मिली है। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मिर्जापुर और अलीगढ़ में विश्वविद्यालय बनाए गए हैं।

अखिलेश यादव बोले- हम एसआईआर के खिलाफ नहीं, इसके जरिये हो रही साजिश का विरोध करते हैं

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों की चोरी पकड़ ली गई है इसलिए ये लोग घबराए हुए हैं। ये लोग जानते हैं कि उनका कोर वोटर भी इनसे दूर जा रहा है इसलिए ये धांधली कर रहे हैं।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग पहले विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लोगों के नाम काट रहा है और फिर जोड़ने के नाम पर धांधली करने की साजिश रच रहा है।

उन्होंने कहा कि एक वोटर के नाम कई जगह जोड़े जा रहे हैं जिससे कि भाजपा के पक्ष में फर्जी मतदान करवाया जा सके। अखिलेश यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में एक युवा को बुलाया और कहा कि इनका वोट कई जगह है जिसका खुलासा इन्होंने खुद किया है। ये युवा एक जगह ही वोट करेगा पर जहां-जहां इनका नाम है वहां कोई और भाजपा के पक्ष में मतदान करेगा। उन्होंने कहा कि हम एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं बल्कि इसके जरिये चुनाव लूटने की जो साजिश हो रही है उसके खिलाफ हैं। इस मौके पर अलग-अलग दलों के नेता सपा में शामिल हो गए।उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों की चोरी पकड़ ली गई है इसलिए ये लोग घबराए हुए हैं। ये लोग जानते हैं कि उनका कोर वोटर भी इनसे दूर जा रहा है इसलिए ये धांधली कर रहे हैं क्योंकि कोई भी सच्चा सनातनी मंदिर में दान चोरी नहीं कर सकता है। अब जनता इन्हें ठीक से पहचान चुकी है। ये नेता सपा में हुए शामिल-- शामे अली (बसपा-पीलीभीत), रवि प्रताप (बदायूं), विद्युत अग्रहरि, राजपाल सैनी, पूर्व राज्यसभा संसाद, पूर्व मंत्री, नन्द किशोर पुंडीर (बसपा से गाजियाबाद के प्रत्याशी), कमल गौतम (अजाद समाज पार्टी), हरिवीर मालिक, भाजपा शामली, शोकेन्द्र, संजीव प्रधान रालोद, सीवान सैनी, खतौली, राजेन्द्र मलिक रालोद, विजेंद्र मलिक, शुभम मलिक।

मोदी जी, अफसर उलझन में हैं मैं समझा दूं: रुबियो के दौरे पर राहुल का तंज, कहा- कुछ कहेंगे या मुझसे जवाब लेंगे

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के भारत दौरे को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। रुबियो के इस यात्रा में व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा सहयोग पर चर्चा होने की उम्मीद है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के भारत दौरे को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय के अधिकारी ही इस बात को लेकर उलझन में हैं कि आखिर चल क्या रहा है। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए यहां तक कह दिया कि अगर वे चाहें तो इस मामले को समझाने के लिए राहुल खुद तैयार हैं।राहुल गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, %मिस्टर रुबियो ने अपने कर्मचारी को मुंबई बुलाया है। मोदी जी, विदेश मंत्रालय में आपके अधिकारी उलझन में हैं कि आखिर चल क्या रहा है। बेहतर होगा कि आप ही समझा दें। या फिर, अगर आप चाहें तो मैं भी समझा सकता हूं।% अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक भारत और उज्बेकिस्तान के दौरे पर रहेंगे। भारत में वे मुंबई और जामनगर जाएंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात भारतीय सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से होगी। बातचीत का मुख्य मकसद दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों को मजबूत करना, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करना और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाशना है। दौरे के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर के मुंबई में रुबियो से मिलने की भी संभावना है।

व्यापार से लेकर तकनीक तक पर रहेगी नजर- अमेरिकी प्रतिनिधि सर्जियो गोर ने बताया कि रुबियो का यह दौरा काफी हद तक व्यापार पर केंद्रित रहेगा। दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने, ऊर्जा सहयोग मजबूत करने, तकनीक में साझेदारी और निवेश के नए अवसरों पर चर्चा होगी। रुबियो कारोबारी नेताओं से भी मिलेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्तों को आगे बढ़ाया जा सके। प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ते सहयोग का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच सैन्य अभ्यास और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी रिश्तों को मजबूती दे रहे हैं। तकनीक के क्षेत्र में भी दोनों तरफ निवेश बढ़ रहा है और कई अमेरिकी कंपनियों ने भारत में बड़े उत्पादन केंद्र स्थापित किए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की भूमिका का जिक्र करते हुए गोर ने कहा कि अमेरिका भारत से बड़ी मात्रा में जेनेरिक दवाएं खरीदता है। उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच पिछले सप्ताह हुई बातचीत के बाद भी दोनों देशों के रिश्तों पर नजर बनाए रखनी चाहिए।भारत से पहले उज्बेकिस्तान जाएंगे रुबियो भारत पहुंचने से पहले रुबियो उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे। वहां वे ष्ट5+1 मंत्रिस्तरीय बैठक में हिस्सा लेंगे और मध्य एशियाई देशों के अधिकारियों से बातचीत करेंगे। इस बैठक में अमेरिका और मध्य एशिया के बीच रणनीतिक सहयोग और व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा होगी।

पंचायत चुनाव पर ओमप्रकाश राजभर ने हाईकोर्ट के फैसले का किया स्वागत, बोले- हम चुनाव के लिए तैयार

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार है। पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट आने के बाद चुनाव हो जाएगा।यूपी में तीन महीने में पंचायत चुनाव कराने के हाईकोर्ट के फैसले का प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के बाद गेंद पिछड़ा वर्ग आयोग के पाले में है। हम चुनाव के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार है। पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट आने के बाद चुनाव हो जाएगा। वहीं,

प्रदेश में बोर्ड परीक्षाएं और विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि इसमें कोई दिक्कत नहीं है। सब हो जाएगा। सपा जीते तो चुनाव सही, हारे तो बेईमानी कैसे- कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाने को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि 2024 का लोकसभा चुनाव निष्पक्ष था या नहीं? राजभर ने कहा कि 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों तथा 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा की हार के बाद सवाल उठाए गए, लेकिन 2024 में 37 सांसद जीतकर संसद पहुंचे तो सब ठीक हो गया।राजभर ने कहा कि केंद्र में 2014 से भाजपा की सरकार है। ऐसे में सपा की हार वाले चुनाव गलत और जीत वाला चुनाव सही कैसे हो गया? उन्होंने यह भी पूछा कि अखिलेश के परिवार के पांच सदस्य सांसद बने, तब निष्पक्षता पर सवाल क्यों नहीं उठाए गए। राजभर ने अखिलेश पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। राजभर ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की साइकिल का टायर पंचर नहीं, बल्कि फटेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश हार के अंदेशे में अभी से बहाने

संपादकीय Editorial

The Terror of Ragging

Amidst the growing student-related issues in Himachal, the need is now to create a safe environment where future dreams can flourish. One initiative is being taken by the police to monitor the state's 17 private universities. Learning from the student incidents in Punjab, the Himachal Director General of Police has reviewed the security arrangements at the state's 17 private universities and formulated a list of new measures. While the police guidelines are not new, it remains to be seen how campus security is managed. However, the details of the incidents at a Punjab university seem to have broken many bridges, and the situation descended into chaos. While this was an incident of humiliation on campus, the focus shifts to ragging at Hamirpur Medical College. The roofs of educational campuses have become so fragile that sometimes a small incident can breach entire walls. Similarly, a complaint of ragging has alerted the medical college. The situation described by a junior in his complaint against his senior raises the eyebrows of the entire college administration. Second-year students, risking their careers by ragging, allegedly treated the victim in an unacceptable manner. Now that the matter is under the Anti-Ragging Committee's care, an investigation will provide a true account and conclusion. Both of the above incidents raise concerns about the student community. They create gaps in the academic environment, bring disrepute to the institutions, and also increase the anxiety of parents.The irony is that such incidents, by trampling upon the old norms of discipline in educational institutions, destroy all arrangements. Himachal, as it becomes an education hub, must not forget that only education can develop a superior personality in students. If some senior doctors are instilling fear in junior students with insults like ragging before they have even become competent in their profession, how will a poor and vulnerable patient present their case to them tomorrow? It has been observed that the behavior of some doctors in government service is akin to ragging a common patient. If medical colleges cannot provide the qualities of dedication to the profession or cannot cultivate such concerns, then educational institutions will become irrelevant. No doctor would disturb the walls of a medical college, or where did he find the time to spread the terror of ragging? Clearly, Himachal has established large educational institutions, but we are failing to cultivate the human resources for future prosperity. The excessive expansion of education towards quantitative development fails to discern the merits and demerits of such activities. We are failing to impart moral, cultural, and cultured education to other students. As a result, social and national distortions have begun to prevail on campuses. If every issue and reason for progress were to become politically motivated on campus, all initiatives would be ruined in an instant. What ideals are being fostered by the ceremonies presided over by politicians in Himachal's educational institutions? If students are to be shown the path to becoming professionals, then programmes should be started in every campus under some pretext or the other in the presence. of non-political and professional people.

India will become prosperous only by rapidly implementing reforms.

India is moving towards the goal of becoming a developed nation by 2047, driven by progress in infrastructure and digital payments.

Progress has been made in infrastructure, but the primary goal is to create factories and jobs. Land acquisition, environmental clearance, and labor law reforms are urgently needed.

Investment in education, health, and skill development is the key to a developed India. The goal of a developed India 2047 is a major public dream for India. In the decades following independence, India focused on a largely controlled and cautious economy, while countries like South Korea and Singapore rapidly industrialized, significantly increasing their income.The 1991 reforms changed India's course, but land management, court decisions, and a lack of employment in industry have left us lagging behind other countries. Now, India has a great opportunity to bridge this gap in the future.

Significant progress has been made in the country's infrastructure in the past few years. The government has invested significantly in infrastructure such as roads, railways, electricity, and the internet.

Budgets are increasingly devoting significant funds to infrastructure. Digital payments and affordable internet have connected ordinary citizens to economic activities. These factors attract investors and lay a solid foundation for development.

But simply having roads and internet isn't enough; the real challenge is leveraging them to create better factories and jobs. Delays in setting up any factory are a major obstacle. Acquiring land, obtaining environmental clearances, and obtaining electricity connections can take months. These times vary from state to state. Investors look more at a state's ease of process than its promises.

India's administrative system is rife with various departments, and obtaining clearances from all departments is often delayed. Inaugurating a new road or dam is a seemingly easy task for politicians, but resolving land disputes and simplifying the legal process takes much longer. Land is a complex issue. Inaccurate or outdated records exacerbate land disputes, hindering industrial development. Similarly, labor laws need to be simplified so that companies can provide permanent jobs to more people. Just building new roads and bridges won't suffice. We must also have educated, skilled, and healthy workers. Focusing on education, health, and skill training is as important as spending on concrete infrastructure. Every year, more than 10 million young people come to India in search of employment. Not everyone can find a place in government jobs or the IT sector.

To achieve this, sectors like manufacturing, tourism, logistics, and food processing must step forward. Small industries need support to grow. South Korea progressed by focusing on education, new technology, and exports.India will also have to work on this foundation in the coming two decades.

If we can implement reforms properly, India can become a truly developed and prosperous country by 2047.

Unfortunate Silence on Arbitrary Punishment

For Hindus worldwide, the death sentence handed down to Sivarsa is not an irrelevant foreign event. Similar incidents have been occurring here too, where the selective silence and selective noise of the Indian political and intellectual class encourages one-sided privilege and one-sided oppression.

Sivarsa Anojan sentenced to death in Saudi Arabia. The verdict was based on Sharia law based on a social media comment. The author expressed concern over the silence of Indian Hindu leaders. The death sentence handed down to Sri Lankan Hindu Sivarsa Anojan in Saudi Arabia is currently in the news internationally.

Young Sivarsa worked in a battery factory there. He was sentenced to death in Saudi Arabia for a comment he made during a social media dispute with a Tamil Muslim. Many Muslims are also objecting to this, while Hindu leaders and organizations remain surprisingly silent. In this case, on June 27th, during a Lord Murugan (Karthikeya) pilgrimage in Kataragama, Sri Lanka, a reel was made of a Muslim kicking a dog that was following the pilgrims. In a Facebook comment, a Muslim made a derogatory remark about Lord Shiva. In response, Sivarasa made a Tamil comment about Muhammad. Although he deleted the comment within ten minutes and apologized, someone took a screenshot of the comment and sent it to the Saudi owner of Sivarasa's company. Sivarasa was subsequently arrested and sentenced to five years in prison and a fine of 3 million Saudi riyals. On September 17th, the appellate court increased his sentence to death under Sharia law.

This incident raises several questions that should concern all humanitarians, especially Hindu leaders and intellectuals. Regardless of party or ideological leanings, Islamic rulers, mullahs, and organizations that unilaterally impose Sharia do not differentiate between a Gandhian, leftist, or Sanghi Hindu. This was evident here recently and continues to be the case in Kashmir. Jihad and Sharia have wiped out or driven out many Hindus, regardless of which party they support. Therefore, for Hindus worldwide, the death sentence to Sivarsa is not an irrelevant foreign event. Similar incidents occurred here as well, and the selective silence and selective noise of the Indian political and intellectual class encourages one-sided privilege and one-sided oppression.

Most Islamic disputes always have international claims and overtones. They do not respect the boundaries of any country, nor any constitution or morality.k out or appeal to Saudi Arabia over the death sentence to Sivarsa Anojan. While going to the Saudi Embassy and submitting a memorandum or request to the Honorable Ambassador would have been an effective action, no one in India even considers this. Many Hindus didn't even consider it necessary to speak out against the unnecessary death penalty for a Hindu who reacted out of anger to the insult to Lord Shiva. This demonstrates the shortsightedness of Hindu leaders. They don't understand the immediate and long-term political significance of such matters. This is even more tragic when many Muslims are also calling the death penalty for Sivarsa Anojan unjust. Among those speaking out for Sivarsa are some Pakistani and Iranian intellectuals, but Indian intellectuals and leaders remain silent!

Such a stance is inappropriate from all perspectives: justice, morality, politics, and civilizational preservation. Moreover, there are many simple, serious arguments and irrefutable facts to present to the Saudi rulers. If prominent and responsible Hindus present these points, the Saudi rulers will take them seriously. In any case, the current Saudi ruler, Prince Mohammed bin Salman, is considered relatively open-minded. Therefore, an appeal by prominent Hindu leaders and intellectuals would provide them with a basis to initiate the revocation of the sentence. This may be difficult for them to do on their own. Regardless of the outcome of such an initiative, the mere fact that Hindu leaders take it will increase the sense of justice in the Sivarsa case in Saudi and global public opinion. This will also enhance the prestige of Hindu leaders in India.

Sivarasa did not disrespect the Prophet Muhammad. He merely wrote something in response to the derogatory comment made on Lord Shiva. It is a natural human tendency to retaliate against someone who insults someone else's loved one by targeting the accuser's loved one. If blame is to be placed on someone, the initiator is primarily to blame. Any serious person, even a Muslim, can understand this. Another question is why this one-sided approach to religious respect? Who and what action was taken against the Tamil Muslim who mocked the walking of Hindu pilgrims or made derogatory remarks about Lord Shiva? Undoubtedly, freedom of expression cannot be one-sided. Nor should respect for only one religion among diverse religions.

The dismissive attitude of Hindus, Buddhists, Christians, and atheists, as well as leaders, institutions, and intellectuals, regarding the Sivarsa Anojan incident is unfortunate. Such incidents occur repeatedly. Ulama and Muslim leaders around the world openly condemn all non-Muslim individuals, institutions, and their religious beliefs and symbols as "infidels"

मुरादाबाद में गांव के पास ही होगा कुपोषित बच्चों का इलाज, बिलारी और कांठ में शुरू होंगे पोषण पुनर्वास केंद्र

मुरादाबाद में गंभीर कुपोषण से जूझ रहे बच्चों के उपचार के लिए बिलारी और कांठ में नए पोषण पुनर्वास केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इससे ग्रामीण परिवारों को बच्चों के इलाज और पौष्टिक आहार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, साथ ही माताओं को देखभाल के तरीके भी सिखाए जाएंगे।बिलारी और कांठ में नए पोषण पुनर्वास केंद्र स्थापित। ग्रामीण बच्चों को नजदीक मिलेगा उपचार और पौष्टिक आहार। माताओं को बच्चों की बेहतर देखभाल के तरीके सिखाए जाएंगे।गंभीर कुपोषण से जूझ रहे बच्चों के उपचार के लिए अब ग्रामीण परिवारों को दूर नहीं जाना पड़ेगा। बिलारी और कांठ में पोषण पुनर्वास केंद्र स्थापित होने से क्षेत्र के बच्चों को नजदीक ही भर्ती कर उपचार और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने की सुविधा मिलेगी। इन केंद्रों पर बच्चों के वजन, स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार की निगरानी की जाएगी।साथ ही माताओं को बच्चों की बेहतर देखभाल और खानपान के तरीके भी बताए जाएंगे संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र में पिछले साढ़े चार साल के दौरान 1,148 बच्चों का उपचार किया जा चुका है। बच्चों को बेहतर सुविधा देने के लिए यहां बेड की संख्या भी बढ़ाई गई है।अब बिलारी और कांठ में केंद्र स्थापित होने से ग्रामीण क्षेत्रों के गंभीर कुपोषित बच्चों को उपचार के लिए जिला मुख्यालय तक आने की जरूरत कम होगी। पोषण पुनर्वास केंद्रों पर गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को सामान्य तौर पर 14 दिन तक भर्ती रखकर उपचार दिया जाता है।

विधायक के घर में तीन युवकों की पिटाई, आठ दिन बाद भी नहीं हुई कार्रवाई; घर पर पुलिस का पहरा

आरोप है कि विधायक सुशांत सिंह के घर तीन युवकों की पिटाई को आठ दिन बीते, पर रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। परिवार ने नौ अक्तूबर को तहरीर दी थी। पुलिस अस्पताल से लौटने का इंतजार कर रही है।बिजनौर जिले की बढ़ापुर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक सुशांत सिंह के रतूपुरा स्थित घर में तीन युवकों की पिटाई की घटना को आठ दिन बीत गए हैं लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी तो दूर तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की है। एसपी देहात का कहना है कि परिवार अस्पताल से आने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कह रहा है जबकि परिवार का दावा है कि उन्होंने इस संबंध में नौ अक्तूबर को तहरीर दे दी थी।डिलारी शांति कुंज निवासी ओमवती ने ठाकुरद्वारा थाने में नौ अक्तूबर को दी तहरीर में बताया था कि सात अक्तूबर को उसके बेटे रामू कश्यप को विधायक सुशांत सिंह के सहायक अर्जुन कुमार अपने साथ ले गया था। इसके बाद विधायक के रतूपुरा स्थित आवास में रामू और उसके मोहल्ले के ही अतुल और लवीश के साथ मारपीट की गई थी। ओमवती का आरोप है कि उसके बेटे के जख्मों पर नमक लगाया और बिजली का करंट भी लगाया गया था। दिल्ली के मैक्स में भर्ती रामू का उपचार चल रहा है। इस घटना को आठ दिन बीत गए हैं लेकिन पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। ओमवती का कहना है कि उसने नौ अक्तूबर को इस मामले में ठाकुरद्वारा में तहरीर दे दी थी। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह का कहना है कि पुलिस परिवार के संपर्क में है। परिवार का कहना है कि वह अस्पताल से आने के बाद इस मामले में कार्रवाई कराएंगे।रामू के घर पर पुलिस का पहरा- रामू का दिल्ली के अस्पताल में उपचार चल रहा है पुलिस ने पहले ही रामू की मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज नहीं की है लेकिन उसके घर पर पहरा कड़ा कर रखा है। आने जाने वालों लोगों पर पूरी नजर रखी जा रही है।

बेटे संग मिलकर हत्या की: लिव इन में रह रही महिला ने किया था दिव्यांग शिक्षक का कत्ल, सात साल से रह रही थी साथ

ठाकुरद्वारा में दिव्यांग शिक्षक प्रमोद कुमार की हत्या का खुलासा हुआ है। उसकी लिव-इन पार्टनर महिला ने बेटे और 25 लाख रुपये के कर्जदार व्यक्ति संग मिलकर हमुरादाबाद के ठाकुरद्वारा नगर के फरीद नगर स्थित मकान में दिव्यांग शिक्षक प्रमोद कुमार (41) की हत्या में पुलिस को अहम सुराग हाथ लग गए हैं। दिव्यांग शिक्षक की हत्या लिव इन में रह रही महिला ने अपने बेटे और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर की थी। पुलिस का दावा है कि प्रमोद अपना मकान बेचकर शादी करना चाह रहे थे लेकिन महिला की नजर उनकी संपत्ति पर थी। 25 लाख रुपये ब्याज पर लेने वाले एक व्यक्ति को भी महिला ने इस हत्याकांड में शामिल कर लिया था।मूंडापांडे थानाक्षेत्र के सहरिया गनेशपुर गांव निवासी प्रेमपाल का बेटा प्रमोद कुमार (41) करीब 15 साल से ठाकुरद्वारा में रह रहा था। मंगलवार की सुबह दस बजे दुधिया दूध देने पहुंचा तो गेट के बाहर तक खून बह रहा था। पुलिस ने इस मामले में प्रमोद के पिता प्रेमपाल सिंह की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि ठाकुरद्वारा निवासी महिला सात साल से प्रमोद के साथ लिव-इन में थी। महिला पहले से शादीशुदा और उसके बच्चे भी हैं। महिला दिन में प्रमोद के साथ रहती थी और रात में अपने पहले पति और बच्चों के पास चली जाती थी। प्रमोद ब्याज पर रुपये बांटते थे। उन्होंने महिला को पांच लाख रुपये, उसके भाई को तीन लाख रुपये और एक अन्य को 25 लाख रुपये ब्याज पर दिए थे। प्रमोद अपना मकान बेचकर शादी करना चाहते थे। इसके बाद वह अपने पैतृक गांव में ही बसने की तैयारी कर रहे थे लेकिन महिला की नजर प्रमोद की संपत्ति पर थी। उसने लोगों बताया रखा कि प्रमोद उसका पति है।उसने इस हत्याकांड को अंजाम देने के अपने बेटे और 25 लाख रुपये ब्याज लेने वाले व्यक्ति को भी अपने शामिल कर लिया था। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि महिला समेत तीन लोग हिरासत में ले लिए हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। महिला ने ही अपने बेटे और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर प्रमोद की हत्या की है।

हिस्ट्रीशीटर ने दोस्त की बेटी को बंधक बनाया, तीन माह तक किया दुष्कर्म, अश्लील फोटो लेकर उसकी मां को भेजे

सिविल लाइंस से लापता किशोरी को अलीगढ़ के हिस्ट्रीशीटर राजकुमार उर्फ बिट्टू ने अगवा कर दुष्कर्म किया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर किशोरी को बंधनमुक्त कराया।सिविल लाइंस क्षेत्र से में करीब तीन माह से लापता किशोरी को उसके पिता के दोस्त अलीगढ़ निवासी हिस्ट्रीशीटर राजकुमार उर्फ न बिट्टू उर्फ अभिषेक ने ही अगवा कर बंधक बना लिया था। आरोपी ने इस दौरान पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो खींचकर किशोरी की मां के मोबाइल पर भेज दिए। मोबाइल नंबर की लोकेशन ट्रेस करते हुए पुलिस ने अलीगढ़ पहुंचकर न आरोपी को हिरासत में लेकर पीड़िता को बंधक मुक्त कराया है। आरोपी राजकुमार शार्प शूटर भी है। पुलिस का दावा है कि उसने सुपारी लेकर अपने साथियों के साथ उत्तराखंड के रुद्रपुर में भाजपा पार्षद प्रकाश धामी न की गोली मारकर हत्या की थी। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह न ने बताया कि आरोपी राजकुमार उर्फ बिट्टू उर्फ अभिषेक अलीगढ़ जिले के पिसावा थाना क्षेत्र के बसेरा गांव निवासी है। उसने 15 अक्तूबर 2020 को अपने साथियों संग चार लाख रुपये की सुपारी लेकर उत्तराखंड के रुद्रपुर में भाजपा पार्षद प्रकाश धामी की गोली मारकर हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन जमानत पर छूटने के बाद वह मुरादाबाद पहुंच गया और सिविल लाइंस क्षेत्र में एक व्यक्ति से दोस्ती कर ली। आरोपी दोस्त की गैरमौजूदगी में उसके घर आने-जाने लगा। तीन माह पहले वह दोस्त 16 वर्षीय बेटी को अगवा कर ले गया और अपने घर में बंधक बनाकर दुष्कर्म करता रहा। तलाश के बाद किशोरी नहीं मिली तो परिजनों ने सिविल लाइंस थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। आरोपी ने पीड़िता की मां के मोबाइल पर बेटी के अश्लील फोटो भेजे तो पुलिस मोबाइल नंबर को ट्रेस करते हुए आरोपी तक पहुंच गई और किशोरी को बंधनमुक्त कराकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट और बयानों के आधार पर रिपोर्ट में दुष्कर्म, पॉक्सो और अन्य धाराएं बढ़ा रही है। आरोपी अलीगढ़ के पिसावा थाने से हिस्ट्रीशीटर है। इसके खिलाफ अलीगढ़ के अलावा मथुरा और उत्तराखंड के रुद्रपुर में हत्या, हत्या के प्रयास, पुलिस मुठभेड़, मादक पदार्थों की तस्करी, आर्म्स एक्ट समेत 15 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म, पीड़िता ने की आत्महत्या की कोशिश- सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला से चंद्र नगर लोकोशेड निवासी राजेश सैनी (48) ने घर में घुसकर दुष्कर्म किया। शिकायत करने पर बेटे का जान से मारने की धमकी दी। आहत होकर महिला ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने पीड़िता के बेटे की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। - पीड़िता के बेटे ने सिविल लाइंस थाने में तहरीर देकर बताया कि 21 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 12 बजे सिविल लाइंस के भोगपुर मिठौनी गली नंबर तीन चंद्र नगर लोकोशेड निवासी राजेश सैनी उसके घर घुस गया और धमकाकर उसकी मां के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने किसी से शिकायत करने पर उसके बेटे की हत्या करने की धमकी भी दी।दुष्कर्म की घटना और बेटे की हत्या की धमकी मिलने से परेशान महिला ने जहर खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।

परिजन अस्पताल ले गए। तबीयत में सुधार होने पर परिजनों ने पूछा तो महिला ने घटना के बारे में बताया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपी राकेश सैनी के खिलाफ दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी देना व आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

आइसक्रीम लेने निकले छह साल के बच्चे की हत्या में दोषी को उम्रकैद, 1.14 लाख का जुर्माना

रामपुर। स्वार क्षेत्र के चर्चित अरहान हत्याकांड में कोर्ट ने आरोपी फैज को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर 1.14 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह मामला स्वार कोतवाली क्षेत्र का है। स्वार के मोहल्ला चक निवासी मोहम्मद वसी का छह वर्षीय बेटा अरहान एक अप्रैल 2022 की रात करीब नौ बजे अपनी दादी से 10 रुपये लेकर आइसक्रीम लेने निकला था। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। अगले दिन परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर गुमशुदगी दर्ज कराई।पुलिस की जांच के दौरान अरहान का शव घर के पास स्थित एक खंडहर में रखे ड्रम से मिला था। बालक के गले, सीने और पेट पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। इसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी के मुकदमे को हत्या की धाराओं में तरमीम कर जांच तेज कर दी थी।विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर अरहान के रिश्ते के चाचा फैज से पूछताछ की थी। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद आरोपपत्र कोर्ट में दाखिल किया। एडीजीसी रवैल चंद्र अरोड़ा ने बताया कि मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैज को उम्रकैद की सजा सुनाई और उस पर 1.14 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है।

पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, तीन गिरफ्तार

केमरी। क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदनगर नानकार में खेत में पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया।

पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान किया है।पुलिस के अनुसार, मोहम्मदनगर नानकार निवासी बाबू खां और राशिद खां अपने खेत से पेड़ काट रहे थे। इसी दौरान गांव के ही राशिद खां ने उन पेड़ों को अपना बताते हुए काटने से रोका। इस बात पर दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। सीओ राजवीर परिहार ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

चोरी के मामले में सवा महीने बाद दर्ज हुई प्राथमिकी

स्वार। मिलकखानम थाना क्षेत्र के जिठनिया जागीर गांव में चार अगस्त की रात हुई चोरी के मामले में पुलिस ने सवा महीने बाद प्राथमिकी दर्ज की है। चोरों ने मकान की पिछली दीवार में नकब लगाकर सोने-चांदी के जेवर, 28 हजार रुपये और जरूरी दस्तावेज चुराए थे।गांव निवासी सिराज के पिता शकील अहमद के घर में यह चोरी हुई थी। सिराज ने चार अगस्त को थाने में तहरीर दी थी लेकिन तब प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई। पांच अक्तूबर को अपर एसपी को प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें उस्मान और उसके साथियों पर चोरी का आरोप लगा। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

50 हजार से 22.22 करोड़ तक पहुंचा जौहर ट्रस्ट का चंदा, सपा सरकार में चंदे में तेजी से हुई बढ़ोतरी

मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और जौहर विश्वविद्यालय के वित्तीय लेनदेन की ईडी और आयकर विभाग जांच कर रहे हैं। सपा नेता आजम खां द्वारा स्थापित ट्रस्ट को 1995-96 में 50 हजार रुपये मिले थे। यह रकम 2015-16 तक बढ़कर 22.22 करोड़ रुपये हो गई। महज 50 हजार रुपये की शुरुआती पूंजी से शुरू हुआ मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट वक्त के साथ करोड़ों रुपये के चंदे और बड़े शैक्षिक संस्थान के संचालन तक पहुंच गया। सपा नेता आजम खां के राजनीतिक रसूख के बीच सपा सरकार में ट्रस्ट को मिलने वाले चंदे में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई। ईडी के रिकॉर्ड के अनुसार, वर्ष 1995-96 में ट्रस्ट को मिला 50 हजार रुपये का चंदा वर्ष 2015-16 में बढ़कर 22.22 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसी दौर में रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय का विस्तार हुआ। अब ट्रस्ट और विश्वविद्यालय से जुड़े वित्तीय लेनदेन, निर्माण खर्च तथा धन के स्रोत को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की जांच ने पूरे मामले को फिर सुर्खियों में ला दिया है। जांच का अहम सवाल यही है कि ट्रस्ट की आर्थिक गतिविधियों का दायरा कैसे बढ़ा और विभिन्न स्रोतों से मिली रकम का इस्तेमाल किन कार्यों में हुआ। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट का गठन वर्ष 1990 में हुआ था। सपा नेता आजम खां इसके संस्थापक और अध्यक्ष बने। ट्रस्ट के गठन का उद्देश्य शैक्षिक और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाना था। शुरुआती दौर में इसकी आर्थिक गतिविधियां सीमित थीं, लेकिन समय के साथ ट्रस्ट का दायरा बढ़ता गया।उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 1995-96 में ट्रस्ट को 50 हजार रुपये का चंदा मिला था। वर्ष 2005-06 में यह रकम बढ़कर 1.47 करोड़ रुपये और वर्ष 2012-13 में 5.28 करोड़ रुपये हो गई। वर्ष 2015-16 में चंदे की रकम 22.22 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। चंदे के इन आंकड़ों में आया अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस अवधि में आजम खां प्रदेश सरकार में मंत्री रहे और रामपुर में यूनिवर्सिटी सहित कई संस्थागत गतिविधियों का विस्तार हुआ। हालांकि, चंदे में बढ़ोतरी अपने आप में किसी अनियमितता का प्रमाण नहीं है। जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण यह है कि रकम किन लोगों, संस्थाओं या कंपनियों से मिली, उसका लेखा-जोखा किस तरह रखा गया और उसे किन मदों में खर्च किया गया। जौहर यूनिवर्सिटी के विस्तार के साथ बढ़ा खर्च- रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना ट्रस्ट की गतिविधियों का सबसे बड़ा पड़ाव रही। वर्ष 2012 में विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा मिला। इसके बाद परिसर में शैक्षिक भवनों और अन्य सुविधाओं का विस्तार हुआ। विश्वविद्यालय के निर्माण में बड़ी रकम खर्च होने का दावा किया गया, लेकिन अब इसी खर्च के हिसाब को लेकर जांच एजेंसियां सवाल उठा रही हैं। ईडी की ओर से दर्ज मामले में यूनिवर्सिटी के निर्माण पर हुए खर्च और ट्रस्ट के वित्तीय रिकॉर्ड के बीच अंतर का आरोप लगाया गया है। जांच से जुड़े विवरणों में 59 भवनों का मूल्यांकन करीब 494.46 करोड़ रुपये बताया गया है, जबकि 416.14 करोड़ रुपये के खर्च का हिसाब उपलब्ध नहीं होने का आरोप सामने आया है। यह जांच एजेंसी का आरोप है। जांच एजेंसियों की पड़ताल के बाद इस प्रकरण की जांच कराई जा रही है।सरकारी ठेकों और धन के इस्तेमाल पर भी सवाल- जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण को लेकर जांच में ठेकेदारों और सरकारी विभागों से जुड़े लेनदेन का पहलू भी सामने आया है। ईडी की जांच में आरोप लगाया गया है कि सरकारी ठेके हासिल करने वाले ठेकेदारों के माध्यम से यूनिवर्सिटी के निर्माण में सामग्री पहुंचाई गई। ठेकेदारों के बयानों और उपलब्ध वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर एजेंसी धन के प्रवाह की पड़ताल कर रही है। सरकारी भवनों की लीज और जमीनों के विवाद भी जुड़े- ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी का विवाद केवल वित्तीय लेनदेन तक सीमित नहीं रहा। रामपुर में जौहर शोध संस्थान सहित कुछ सरकारी भवनों को लीज पर दिए जाने और उनके इस्तेमाल को लेकर विवाद हुआ। प्रशासन ने लीज की शर्तों से जुड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए भवन वापस लेने की प्रक्रिया अपनाई। विश्वविद्यालय के लिए किसानों की जमीनों, शत्रु संपत्ति और खादर की भूमि से संबंधित मामलों में भी आजम खां और उनके परिवार के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए। इन मामलों की कानूनी स्थिति अलग-अलग है। हालांकि, इन विवादों ने ट्रस्ट और विश्वविद्यालय के संचालन, सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल तथा भूमि संबंधी फैसलों को लगातार चर्चा में बनाए रखा। जौहर ट्रस्ट की शुरुआत से लेकर यूनिवर्सिटी के विस्तार तक की कहानी में चंदे की रकम, संस्थागत विकास और सरकारी संपत्तियों से जुड़े विवाद प्रमुख रहे हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सूर्य घर योजना पर DM का कड़ा रुख : लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, पेंडिंग फाइलें तुरंत निपटाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विकास भवन में शुक्रवार को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अधिकारियों और बैंकर्स की जमकर क्लास ली। उन्होंने दो टूक कहा कि यह शासन की प्राथमिक योजना है, इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के मुख्य बिंदु- निरीक्षण में देरी पर बिजली विभाग को फटकार: वेंडर्स की शिकायत पर छरू ने निर्देश दिए कि सोलर पैनल लगने के बाद बिजली विभाग समय सीमा के अंदर अनिवार्य रूप से निरीक्षण पूरा करे, ताकि आवेदकों को कनेक्शन और सब्सिडी मिलने में कोई रुकावट न आए। बैंकों की पेंडेंसी पर सख्ती- फाइलों के लंबित होने पर गहरी नाराजगी जताते हुए DM ने लीड बैंक मैनेजर (LDM) को निर्देश दिया कि वे बैंकर्स के साथ हर हफ्ते बैठक करें और लोन वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाकर पेंडेंसी खत्म करें। प्रचार-प्रसार पर जोर: आम लोगों का बिजली खर्च घटाने और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए योजना का बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी (CDO) देवयानी, लीड बैंक मैनेजर, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं यूपीनेडा के वेंडर्स उपस्थित रहे।

त्योहार को लेकर रेलवे ने किया कई विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रेलवे की घोषित समय-सारिणी के अनुसार 05085 छपरा-आनंद विहार साप्ताहिक विशेष ट्रेन 24 नवंबर चलेगी। वापसी में 05086 ट्रेन 25 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को आनंद विहार से चलकर दोपहर 3:40 बजे बरेली आएगी। 04604 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-वाराणसी विशेष ट्रेन प्रत्येक रविवार को कटड़ा से चलकर अगले दिन सुबह 8:30 बजे बरेली पहुंचेगी। वापसी में 04603 ट्रेन वाराणसी से प्रत्येक मंगलवार को चलकर दोपहर 1:33 बजे बरेली आएगी। त्योहार पर घर लौटने वालों को बरेली एयरपोर्ट से आस-दीपावली और छठ पर्व पर दूसरे शहरों में रहने वाले तमाम लोग घर लौटते हैं। ऐसे में बरेली एयरपोर्ट से मिलने वाली उड़ानें उनके लिए अहम हैं। यात्रियों की नजर टिकटों की उपलब्धता और किराये पर रहेगी। बरेली एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु समेत प्रमुख शहरों के लिए हवाई सेवा उपलब्ध है। एयरपोर्ट डायरेक्टर अवधेश अग्रवाल ने बताया कि त्योहारों पर यात्रा करने वालों को टिकट बुक करने से पहले उड़ान का समय और उपलब्धता की जानकारी लेने की जरूरत है।

जिन हाथों से संवरते हैं ताजिए, वही गढ़ते हैं रावण का कुनबा

गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल; महंगाई की मार से घटे पुतलों के कद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिन हाथों से मोहर्रम के ताजिए संवारे जाते हैं, वही हुनरमंद हाथ दशहरे पर रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों को आकार दे रहे हैं। शहर के मलूकपुर स्थित रावण वाली गली में यह सिर्फ रोजी-रोटी का साधन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही साझी संस्कृति की जीती-जागती मिसाल है। यहाँ वीरेंद्र कुमार चंद्रा अपने ससुर स्वर्गीय विश्वनाथ ठाकुर की 20 साल पुरानी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, तो दूसरी तरफ %कल्लू रावण वाले के नाम से मशहूर परिवार की तीसरी पीढ़ी भी इस हुनर को जिंदा रखे हुए है। वीरेंद्र के मुताबिक, सावन से ही पुतले बनाने की तैयारी शुरू हो जाती है। इस बार फरीदपुर, पवन विहार और आलमगीरीगंज समेत कई इलाकों के लिए 12 से 14 पुतलों के ऑर्डर मिले हैं।? बढ़ती महंगाई ने इस बार पुतलों के कद को आधा कर दिया है। पहले जहाँ 30 से 40 फीट ऊंचे पुतलों की भारी मांग रहती थी, वहीं अब लोग 20 फीट के पुतलों से ही काम चला रहे हैं।कच्चा माल महंगा- 250 रुपये में मिलने वाला बांस का बंडल अब 450 रुपये का हो चुका है। लागत और मजदूरी- एक पुतले को तीन कारीगर मिलकर 4 से 5 दिन में तैयार करते हैं। 800 रुपये प्रतिदिन की दिहाड़ी के चलते एक पुतले की औसत लागत 10 से 11 हजार रुपये तक पहुंच रही है। कारीगरों का कहना है कि लागत और मेहनत के अनुपात में मुनाफा लगातार घट रहा है, लेकिन वे पूर्वजों की इस परंपरा को टूटने नहीं देना चाहते।

मनौना धाम से दर्शन कर लौट रहे छह श्रद्धालु सड़क हादसे में घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मनौना धाम से दर्शन करके लौट रहे श्रद्धालुओं की कार को फरीदपुर बाईपास पर तीव्र रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में ड्राइवर समेत कार में बैठे छह श्रद्धालु घायल हो गए। पुलिस ने घायल श्रद्धालुओं को बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। ड्राइवर फरार है। गुरुवार को शाहजहांपुर के पुवायां का परिवार आंवला के मनौना धाम में किराये की कार लेकर दर्शन करने गए थे। दोपहर बाद वह लोग वापस अपने घर लौट रहे थे। उनकी कार फरीदपुर के बाईपास पर जनता ढाबे के सामने निकल रही थी। इसी दौरान तीव्र रफ्तार ट्रक ने कार मे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ड्राइवर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। हादसे के बाद श्रद्धालु कार में फंस गए। लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। कार चालक पीलीभीत के बिलसंडा के भटपुरा निवासी अमित गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि शाहजहांपुर के पुवायां के भूर खेड़ा निवासी मिंटू, महेंद्र की पत्नी मीना देवी, जगदीश की पत्नी मंडूरा, विजय कुमार की पत्नी रागिनी देवी एवं पप्पू घायल हो गए।

24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से , विकास भवन में होगा समस्याओं का समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जनपद के किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आयोजित होने वाले किसान दिवस की तारीख में बदलाव किया गया है। अब यह आयोजन पूर्व निर्धारित तिथि 21 अक्टूबर के बजाय 24 अक्टूबर 2026 को आयोजित किया जाएगा।

उप कृषि निदेशक, बरेली की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत हर माह के तीसरे बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया जाता है।

माह अक्टूबर 2026 का किसान दिवस पहले तीसरे बुधवार यानी 21 अक्टूबर को प्रस्तावित था। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देशानुसार अपरिहार्य कारणों के चलते कार्यक्रम की तिथि में परिवर्तन किया गया है। अब यह बैठक 24 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे से विकास भवन सभागार, बरेली में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न होगी। इस बैठक में कृषि विभाग सहित संबंधित अनुषांगिक विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और जनपद के प्रगतिशील किसान उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और जरूरतों के आधार पर किसानों की विभिन्न समस्याओं का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करना है। संबंधित अधिकारियों ने क्षेत्र के सभी कृषक बंधुओं से संशोधित तिथि पर समय से प्रतिभाग करने की अपील की है।

मंत्री रेखा आर्या पर पति का बड़ा आरोप

भ्रष्टाचार से 210 करोड़ की कथित अवैध संपत्ति अर्जित की, जांच की मांग की

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य और उनके पति बरेली निवासी भाजपा नेता पप्पू गिरधारी के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। मंत्री की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद पप्पू गिरधारी ने पलटवार करते हुए उन पर भ्रष्टाचार के जरिये 210 करोड़ रुपये की कथित अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंत्री की संपत्तियों और उनके विभाग में कथित भ्रष्टाचार की जांच कराने की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। अज्ञात स्थान से कार में बैठकर फेसबुक लाइव करते पप्पू गिरधारी ने कहा कि वह जल्द ही उत्तराखंड में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मंत्री की कथित संपत्ति और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को सार्वजनिक करेंगे। उन्होंने दावा किया कि रेखा आर्य के विभाग में पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार हो रहा है। इस संबंध में उन्होंने कई बार मंत्री के सामने आपत्ति भी जताई थी। उन्होंने कहा कि यदि उनके आरोप गलत साबित होते हैं तो उन्हें सजा दी जाए। 17 साल तक राजनीतिक सफर में साथ देने का दावा-पप्पू गिरधारी ने कहा कि बरेली में उनका जमीन का बड़ा कारोबार है और उन्हें गलत तरीके से पैसा कमाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि करीब 17 वर्षों तक उन्होंने रेखा आर्य के राजनीतिक सफर में सहयोग किया। चुनाव के दौरान उनके समर्थन में लोगों से वोट मांगे और राजनीतिक गतिविधियों में साथ दिया। उनका आरोप है कि चुनाव लड़ाने के लिए उत्तराखंड जाने से मना करने के बाद मंत्री उनसे नाराज हो गई थीं। हालांकि, इस दावे की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच कराने की मांग-पप्पू गिरधारी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मामले की जांच किसी जांच एजेंसी से कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मंत्री की संपत्तियों और उनके विभाग में कथित भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने मुख्यमंत्री को अपना मित्र और भाई जैसा बताते हुए जांच पर भरोसा जताया।

सुभाषनगर में हमलावरों संग घर में घुसा डॉक्टर, दरवाजा तोड़ लाठी -डंडों से पीटा : मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सुभाषनगर थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने उस वक्त हिंसक रूप ले लिया, जब एक डॉक्टर अपने करीब दो दर्जन साथियों के साथ भाई के मकान में जबरन घुस गया। दरवाजा तोड़कर घुसी भीड़ ने लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। इस मामले में पुलिस ने 6 नामजद सहित 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।? दया बरातघर निवासी पीड़ित रूपक गुप्ता के अनुसार, 2 अक्टूबर की दोपहर वह बालाजी मंदिर के पास स्थित अपने मकान में आराम कर रहे थे। तभी उनका भाई डॉ. दीपक गुप्ता अपने परिवार के सदस्य और 20-25 अज्ञात हमलावरों के साथ मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर घुस आया।

आरोप है कि हमलावरों ने असलहों के दम पर रूपक और वहां मौजूद चौकीदार सोमपाल को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा।सबूत मिटाने के लिए ले उड़े छ्ङ्कक्र और मोबाइल- मारपीट में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित का आरोप है कि जाते समय हमलावर सीसीटीवी का डीवीआर और चौकीदार का मोबाइल फोन भी छीन ले गए, ताकि घटना का कोई साक्ष्य न बचे। किसी तरह जान बचाकर रूपक सीधे थाने पहुंचे। ?थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच करगैना चौकी प्रभारी रविंद्र सिंह को सौंपी गई है, जो मौके से साक्ष्य जुटाकर जांच आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रदेश के 70 हजार शिक्षकों की पदोन्नति का रास्ता साफ, सात नवंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

उत्तर प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की करीब दस साल बाद पदोन्नति प्रक्रिया शुरू हुई है। बेसिक शिक्षा परिषद ने सात नवंबर तक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इससे लगभग 70 हजार शिक्षकों को लाभ मिलने की संभावना है। पदोन्नति के लिए अनुभव, वरिष्ठता सूची और शिक्षक पात्रता परीक्षा की शर्तें निर्धारित की गई हैं।प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों की लगभग दस साल पदोन्नति करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बेसिक शिक्षा परिषद ने इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए शिक्षकों की अंतिम वरिष्ठता सूची जारी करते हुए रिक्तियों के सापेक्ष सात नवंबर तक पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इसका लाभ प्रदेश के लगभग 70 हजार शिक्षकों को मिलने की संभावना है। बेसिक में लंबे समय से पदोन्नति की प्रक्रिया लंबित है। काफी समय से टीईटी को लेकर भी मामला न्यायालय में चला है। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा परिषद ने सभी बीएसए को शिक्षकों की अंतिम वरिष्ठता सूची तैयार करने के लिए विस्तृत निर्देश व प्रक्रिया जारी करते हुए इसे 23 अक्तूबर तक परिषद को मेल पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।न्यूनतम पांच साल का अनुभव होना चाहिए परिषद सचिव सुरेंद्र तिवारी ने कहा है कि न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में नए जिला आवंटन के फलस्वरूप कार्यभार ग्रहण करने वाले अभ्यर्थियों की वरिष्ठता का निर्धारण उनकी पहली नियुक्ति तिथि से करने के निर्देश हैं। जूनियर बेसिक स्कूल के प्रधानाध्यापक व सीनियर बेसिक स्कूल के सहायक अध्यापक के लिए जूनियर स्कूल की स्थायी सहायक अध्यापक के लिए न्यूनतम पांच साल का अनुभव होना चाहिए। इसी तरह सीनियर बेसिक स्कूल के प्रधानाध्यापक के लिए जूनियर बेसिक स्कूल के प्रधानाध्यापक व सीनियर बेसिक स्कूल के सहायक अध्यापक पद पर न्यूनतम तीन साल का अनुभव चाहिए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दशहरे पर्व पर ट्रैफिक पुलिस का डायवर्जन : निकलने से पहले देख लें नया रूट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। दशहरे मेले और रावण दहन को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने शहर में कड़ा रूट डायवर्जन लागू किया है। 20 अक्टूबर की सुबह 7 बजे से मेला समाप्ति तक शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। भीड़ बढ़ने पर अंदरूनी मार्गों पर कार, ऑटो और ई-रिक्शा भी प्रतिबंधित रहेंगे। शहर में भारी वाहनों पर रोक- परसाखेड़ा, बिलवा, लालपुर कट, सैटेलाइट, बुखारा मोड़ और रामगंगा तिराहे से शहर की ओर ट्रक व भारी वाहन नहीं आ सकेंगे। दिल्ली-रामपुर से आने वाले वाहन झुमका तिराहे से बड़ा बाईपास होकर निकलेंगे। लखनऊ व बदायूं जाने वाले भारी वाहनों को इन्वर्टिस तिराहा और फरीदपुर होकर लंबा चक्कर लगाना होगा। भीड़ बढ़ी तो अंदरूनी रास्ते भी बंद- कुदेशिया फाटक, अलखनाथ मंदिर मार्ग, कोहाड़ापीर, श्यामगंज-कालीबाड़ी और चौपला से नॉवेल्टी की ओर चार पहिया व ई-रिक्शा की नो-एंट्री रहेगी। एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जाम और परेशानी से बचने के लिए नागरिक नया रूट प्लान देखकर ही घर से निकलें और वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

जमीन का फर्जी बैनामा कराने वाले जालसाज को आंवला पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली, आंवला। कूटरचित दस्तावेज तैयार कर दूसरे की जमीन का फर्जी बैनामा कराने के मामले में फरार चल रहे एक और जालसाज को आंवला पुलिस ने दबोच लिया। आरोपी अपने मुकदमे की पैरवी के सिलसिले में वकील से मिलने जा रहा था, तभी मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे धर दबोचा। ग्राम भोलापुर थाना भमोरा के चेतराम सिंह ने आंवला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने मिलीभगत कर फर्जी कागजात बनाए और असल मालिक बनकर उनकी भूमि का फर्जी बैनामा करा लिया। इस मामले में पुलिस ने विभिन्न संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। इस फर्जीवाड़े में शामिल सात अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। शुक्रवार को आंवला पुलिस को सूचना मिली कि मामले में वांछित चल रहा आरोपी रामेश्वर निवासी भोलापुर, अपने मुकदमे की पैरवी के लिए वकील के पास जा रहा है और अलीगंज अड्डे पर खड़ा है। ?सूचना पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक धर्मपाल सिंह व उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह राघव की टीम ने तुरंत घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बरेली जनपद के युवाओं के लिए बड़ा मौका: मीरगंज में 17 अक्टूबर को रोजगार मेला

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय और त्रिलोक चंद महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 17 अक्टूबर को मीरगंज क्षेत्र के त्रिलोक चंद महाविद्यालय रहपुरा रोड, फतेहगंज पश्चिमी में एक दिवसीय वृहद् रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस मेले में निजी क्षेत्र की करीब 30 प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी। विभिन्न पदों के लिए युवाओं का योग्यता के आधार पर साक्षात्कार के जरिए सीधा चयन किया जाएगा। मेले में सामान्य डिग्री धारकों के साथ-साथ इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल, पैरामेडिकल, आईटीआई और कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षित युवा भी शामिल हो सकते हैं। ऐसे करें आवेदन- इच्छुक अभ्यर्थी मेले में शामिल होने के लिए सेवायोजन पोर्टल (rojgaarsangam.up.gov.in) या नेशनल करियर सर्विस पोर्टल (ncs.gov.in) पर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पंजीकरण कर आवेदन करें। विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी किसी भी कार्यदिवस में सेवायोजन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

अजयराज सक्सेना को हाईकोर्ट से राहत नहीं, अग्रिम जमानत खारिज

विवाह का झूठा आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाने के आरोप; अदालत ने कहा–समुचित विवेचना के लिए हिरासत में पूछताछ जरूरी

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी। विवाह का झूठा आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाने के आरोपों से जुड़े मामले में अजयराज सक्सेना को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ से राहत नहीं मिली। न्यायमूर्ति राजेश कुमार गुप्ता की पीठ ने शुक्रवार, 16 अक्टूबर को उनका अग्रिम जमानत आवेदन खारिज कर दिया। न्यायालय ने मामले के तथ्यों, परिस्थितियों और आरोपों की प्रकृति एवं गंभीरता पर विचार करते हुए समुचित विवेचना के लिए हिरासत में पूछताछ को आवश्यक माना।

महिला थाना शिवपुरी में अपराध क्रमांक 42/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 69, 115(2) और 3(5) में प्रकरण दर्ज है। आवेदक ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 482 के तहत अग्रिम जमानत की मांग की थी।

विवाहित होने की जानकारी छिपाने का आरोप–अभियोजन के अनुसार, शिकायतकर्ता वर्ष 2022 में अजयराज सक्सेना के संपर्क में आई थी और वर्ष 2023 से उनके कार्यालय में काम करने लगी। आरोप है कि अगस्त 2024 से सितंबर 2026 के बीच आवेदक ने अपने विवाहित होने का तथ्य छिपाकर विवाह का आश्वासन दिया और शारीरिक संबंध बनाए। शिकायत में मंदिरों और विभिन्न होटलों में ले जाने का उल्लेख भी किया गया है।अभियोजन कथन के मुताबिक, आवेदक के विवाहित होने की जानकारी मिलने के बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि 30 सितंबर को आवेदक के निवास पर हुई घटना में उसकी मां और पत्नी ने शिकायतकर्ता के साथ डंडों से मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं और मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गया।बचाव पक्ष ने बताया निजी विवाद– आवेदक की ओर से अधिवक्ता अतुल गुप्ता ने निर्दोष होने और झूठा फंसाए जाने का तर्क दिया। बचाव पक्ष ने विवाद को निजी मतभेदों से जुड़ा बताते हुए कहा कि विवेचना लगभग पूरी हो चुकी है, कोई बरामदगी शेष नहीं है और आवेदक का आपराधिक पूर्ववृत्त भी नहीं है। इसी आधार पर अग्रिम जमानत देने की मांग की गई।

हिरासत में पूछताछ को माना आवश्यक राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता राजेंद्र सिंह यादव तथा शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता रणजीत सिंह रावत ने अग्रिम जमानत आवेदन का विरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने और केस डायरी का अवलोकन करने के बाद न्यायालय ने मामले की समुचित विवेचना के लिए आवेदक से हिरासत में पूछताछ आवश्यक मानी और अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

उल्लेखनीय है कि न्यायालय का यह आदेश अग्रिम जमानत आवेदन तक सीमित है। मामले में लगाए गए आरोपों पर यह दोषसिद्धि का निर्णय नहीं है।

कृषि विज्ञान केंद्र में महिला किसानों को मिला उन्नत खेती का प्रशिक्षण

मेरी कहानी-मेरी कृषि' सत्र में महिला कृषकों ने साझा किए सफलता के अनुभव, 40 से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी। कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के अवसर पर महिला कृषकों के लिए संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के विभिन्न गांवों से आईं 40 से अधिक महिला किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में महिलाओं को उन्नत कृषि तकनीकों, जल संरक्षण, उन्नत बीजों, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और वैज्ञानिक पशुपालन की जानकारी दी गई।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन-9 जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम केंद्र प्रमुख डॉ. पुनीत कुमार के निर्देशन में संपन्न हुआ। केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. लक्ष्मी ने 'सशक्त महिला किसान, समृद्ध कृषि और खुशहाल ग्रामीण समाज' का संदेश देते हुए कृषि में जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

महिला किसानों ने साझा किए सफलता के अनुभव– कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेरी कहानी-मेरी कृषि' सत्र आयोजित किया गया। इसमें ग्राम गोहरी की रानी बाई तथा कोलारस विकासखंड के ग्राम मोहरा की लच्छी बाई और भोटो बाई ने अपने कृषि अनुभव साझा किए। उन्होंने खेती से जुड़े अपने अनुभवों के माध्यम से अन्य महिला किसानों को प्रेरित किया।

दलहनी फसलों की आधुनिक तकनीकों की जानकारी– केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मुकेश कुमार भार्गव ने दलहन आत्मनिर्भरता अभियान के तहत रबी की दलहनी फसलों की उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने उन्नत बीजों के चयन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक एवं जैविक खेती तथा वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों के बारे में विस्तार से बताया। वहीं, केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत कुमार गुप्ता, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. नीरज कुमार कुशवाह और श्री सतेंद्र गुप्ता ने महिला किसानों को कृषि प्रशिक्षण, स्वरोजगार, उद्यमिता और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन से संबंधित जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को पहचानना, उनके अधिकारों एवं सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना रहा। प्रशिक्षण के माध्यम से महिला किसानों को खेती की उत्पादकता बढ़ाने और कृषि आधारित आजीविका के नए अवसरों की जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

पशुशाला से एक लाख की भैंस चोरी, ग्रामीण ने गांव के युवक पर लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी। गांव कुरतरा में बृहस्पतिवार रात चोर पशुशाला से करीब एक लाख रुपये कीमत की भैंस चोरी कर ले गए। पीड़ित ने गांव के ही युवक समेत चार अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। गांव कुरतरा निवासी श्यामबिहारी सागर गांव के बाहर किनारे घर बनाकर रहते हैं। बृहस्पतिवार आधी रात के बाद पशुशाला में बंधी भैंस चोरी हो गई। कुछ देर बाद जागने पर भैंस गायब मिली तो परिजन हैरान रह गए। रात में ही मोहल्ले के लोगों के साथ तलाश की।लेकिन पता नहीं चला। सुबह गांव के किसी व्यक्ति ने गांव के ही युवक को अन्य लोगों के साथ भैंस ले जाते देखने की बात बताई। इस पर पीड़ित ने नामजद युवक समेत चार अज्ञात के खिलाफ थाने में तहरीर दी। आरोपी युवक घर से फरार है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया कि फतेहगंज पश्चिमी पुलिस मामले की जांच कर आरोपी की तलाश कर रही है।

मैं माफी मांगता हूं: एसआईआर विवाद पर राउत बोले- सुप्रीम कोर्ट न्याय की आखिरी उम्मीद

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने मतदाता सूची के %विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले पर कहा है कि न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट ही आखिरी उम्मीद है और गलती होने पर वह माफी मांगने को भी तैयार हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी कानूनी चुनौती में शामिल शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। राउत ने कहा है कि न्याय चाहने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट ही आखिरी उम्मीद है। अगर उनकी किसी बात या हरकत को अनुचित माना जाता है, तो वे सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगने के लिए तैयार हैं। इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कि सुप्रीम कोर्ट इस याचिका और इसे दायर करने के हालात से नाखुश है, उन्होंने कहा कि जब अन्य संस्थाएं राहत देने में विफल रहती हैं, तो अदालत का दरवाजा खटखटाना एक संवैधानिक उपाय है। उन्होंने कहा, देश का सुप्रीम कोर्ट सबसे बड़ी संवैधानिक संस्था है। जब न्याय के सभी दरवाजे बंद हो जाते हैं। चाहे वह चुनाव आयोग हो, राज्यपाल हों या कोई अन्य संस्था, तो अंत में हम सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हैं और न्याय की गुहार लगाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय को आशा की अंतिम किरण बताते हुए उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव आयोग से संबंधित मुद्दों को लेकर याचिकाएं दायर की गई हैं। उन्होंने उन लोगों की चिंताओं का भी जिक्र किया जिनके नाम कथित तौर पर मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि हमसे कोई गलती हुई है, तो उसे इस पर ध्यान देने का पूरा अधिकार है। अगर मेरे बारे में ऐसी कोई भावना है, तो मुझे खेद है। सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगने में मुझे बिल्कुल भी संकोच नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि प्राथमिक उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना है, हम न्याय चाहते हैं।

देश न्याय चाहता है। उन्होंने कहा कि वे माफी मांगने के लिए तैयार हैं, साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि संविधान और लोकतांत्रिक संस्थानों की रक्षा करना न्यायपालिका की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।संजय राउत ने कहा, मैं आपसे दस बार माफी मांगता हूं, लेकिन इस देश और इसके लोकतंत्र को बचाना आपकी जिम्मेदारी है। हम अंत तक आपके समक्ष न्याय की गुहार लगाते रहेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाले गए मार्च के उद्देश्य को समझाते हुए उन्होंने कहा, %जब राहुल गांधी के नेतृत्व में लाखों लोग सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर गए, तो उनका एकमात्र उद्देश्य यही था कि आप ही उम्मीद की आखिरी किरण हैं। उन्होंने न्यायपालिका पर अपना विश्वास दोहराया और कहा कि यदि लोग न्याय के लिए सर्वोच्च न्यायालय की ओर नहीं देख सकते, तो उनके पास कहीं और जाने का कोई विकल्प नहीं होगा।

नरवर में 12 हितग्राहियों को मिली मकानों की निशुल्क रजिस्ट्री, मिला वैधानिक मालिकाना हक

◆ मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विधायक रमेश खटीक और कलेक्टर अर्पित वर्मा ने वितरित किए अधिकार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी/ नरवर। ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का वैधानिक मालिकाना हक दिलाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत नरवर में शिविर आयोजित किया गया। शुक्रवार को जनपद परिसर में आयोजित शिविर में स्वामित्व योजना के अंतर्गत तहसील नरवर के 12 हितग्राहियों को मकानों की निशुल्क रजिस्ट्री एवं अधिकार पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में विधायक रमेश प्रसाद खटीक और कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने हितग्राहियों को दस्तावेज सौंपे। मकानों का आधिकारिक मालिकाना हक मिलने पर हितग्राहियों ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

छह गांवों के हितग्राही हुए लाभान्वित– स्वामित्व योजना के तहत ग्राम रोनिजा के दशरथ कर्ण एवं मुकेश नामदेव, ग्राम फूलपुर के मलखान सिंह, हरवंश जाटव, नरेश सिंह रावत एवं राघवेंद्र कोली, ग्राम चकारमपुर के हरप्रसाद कुशवाह, ग्राम दिहायला के पुष्पेंद्र रावत, ग्राम नरौआ के भागीरथ वंशकार एवं नारायण दास योगी तथा ग्राम सिमरिया के रणवीर सिंह रावत एवं भारतसिंह रावत को निशुल्क रजिस्ट्री एवं अधिकार पत्र प्रदान किए गए।

संपत्ति के अधिकार से मिलेंगे आर्थिक अवसर– स्वामित्व योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय संपत्तियों का आधिकारिक रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। इससे संपत्ति संबंधी विवादों को कम करने, मकान के दस्तावेजों के आधार पर बैंक ऋण प्राप्त करने की संभावनाएं बढ़ाने और ग्रामीणों की संपत्ति को कानूनी सुरक्षा देने में मदद मिल सकती है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शासन की मंशा ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का अधिकार उपलब्ध कराने और सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की है। नरवर में आयोजित शिविर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

मुगलपुरा आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की संख्या में हो रही वृद्धि

क्यूँ न लिखूँ सच/ फतेहगंज पश्चिमी – मुगलपुर ऊर्फ जटपुरा गांव की आंगनवाड़ी केंद्र की संचालिका ममता मौर्य ने बताया कि हमारे मीरगंज तहसील क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्र परियोजना में सबसे फर्स्ट नंबर एवं प्रथम स्थान पर चल रहा है हमारे द्वारा बच्चों को प्रतिदिन शारीरिक सामाजिक एवं मानसिक विकास के लिए अलग-अलग गतिविधियां कराई जाती है। जिससे बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र पर आने के लिए उत्साहित होते हैं। इसीलिए आंगनबाड़ी केंद्र में प्रतिदिन बच्चों की संख्या में वृद्धि हो रही है। और ममता मौर्य ने बताया कि हमारे आंगनबाड़ी केंद्र में बड़ी निष्ठा से बच्चों को प्रेम पूर्वक गतिविधियां कराई जाती हैं और बच्चों के वजन, लंबाई और गर्भवती महिलाओं की वजन लंबाई राष्ट्रीय पोषण जैसे कार्यक्रम और समय-समय पर सामूहिक कार्यक्रम किए जाते हैं।

मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत महिला सम्मान एवं फीडबैक कार्यक्रम आयोजित, निस्तारित पारिवारिक प्रकरणों के पक्षकारों से संवाद कर साझा किए गए अनुभव

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में आज दिनांक 16.10.2026 को महिला थाना नानपारा परिसर, बहराइच में सह-नोडल मिशन शक्ति/ क्षेत्राधिकारी श्रीमती हर्षिता तिवारी की अध्यक्षता में मिशन शक्ति केन्द्र/परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा सफलतापूर्वक निस्तारित कराए गए पारिवारिक प्रकरणों के पक्षकारों एवं उनके परिजनों के साथ महिला सम्मान एवं फीडबैक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रभारी महिला थाना नानपारा, मिशन शक्ति/ एंटी रोमियो टीम, परिवार परामर्श केन्द्र टीम व अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम के दौरान पारिवारिक विवादों का आपसी संवाद, परामर्श के माध्यम से समाधान कराने में परिवार परामर्श केन्द्र की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर संबंधित पक्षकारों एवं उनके परिजनों को फल वितरित कर सम्मानित किया गया तथा अभिभावकों एवं परिवारीजन के अनुभव, सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए गए। इस दौरान महिलाओं को मिशन शक्ति कार्यक्रम के उद्देश्यों, महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण से संबंधित विभिन्न योजनाओं तथा उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, महिलाओं को आश्वस्त किया गया कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, हिंसा अथवा पारिवारिक विवाद की स्थिति में वे बिना किसी संकोच के पुलिस एवं परिवार परामर्श केन्द्र से संपर्क कर सकती हैं तथा उनकी समस्याओं के समाधान हेतु नियमानुसार आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य निस्तारित पारिवारिक प्रकरणों के पक्षकारों से प्राप्त फीडबैक के माध्यम से परामर्श प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाना, पारिवारिक संबंधों में आपसी विश्वास एवं सौहार्द को बढ़ावा देना तथा महिलाओं को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति जागरूकता सुदृढ़ करना रहा। इसी क्रम में जनपद के समस्त थानों द्वारा भी संबंधित क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में अपने-अपने क्षेत्रों में मिशन शक्ति केन्द्र/परिवार परामर्श केन्द्र के माध्यम से उक्त कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को सम्मानित कर उनके अनुभव व फीडबैक प्राप्त किये गये ।

कोंच रामलीला की दूसरी मैदानी लीला आज, गढ़ी के मैदान में मारीच वध मेला, लीला का मंचन हुआ

◆ सूर्पनखा के नाक-कान कटने, सीता हरण और रावण-जटायु युद्ध के प्रसंग दर्शाए गये मेले में

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच। कोंच रामलीला की दूसरी मैदानी लीला 16 अक्टूबर शुक्रवार को गढ़ी के मैदान में मेले के रूप में सम्पन्य हुई जिसमें सूर्पनखा के नाक-कान कटने, मारीच वध, सीता हरण और रावण-जटायु युद्ध के प्रसंग मंचित किए गये गल्ला व्यापारियों की प्रमुख धार्मिक संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित कोंच की विश्व विख्यात रामलीला को देश की सर्वश्रेष्ठ मैदानी लीला का दर्जा अयोध्या शोध संस्थान द्वारा वर्ष 2009 में देश भर की रामलीलाओं का सर्वेक्षण कराने के बाद दिया गया था। कोंच रामलीला में तीन लीलाएं मैदानी हैं

जिसमें पहली गंगा पार मेला सागर तालाब में आश्विन शुक्ल तृतीया को, दूसरी मारीच वध मेला आश्विन शुक्ल षष्ठी को और तीसरी विजयदशमी को दशहरा मेला। धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले एवं मंत्री विनोद दुवे लौना ने बताया है कि मारीच वध मेला जिसे स्थानीय बोलचाल की भाषा में छठ का मेला भी कहते हैं, 16 अक्टूबर शुक्रवार को अपराह्न तीन बजे से गढ़ी के मैदान में संपन्न की गयी । रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल बॉबी एवं मंत्री शैलेष सोनी ने बताया है कि मेले में लक्ष्मण द्वारा सूर्पनखा के नाक-कान काटने, रावण द्वारा साधु वेश में सीता का हरण करने और रावण-जटायु युद्ध के प्रसंग मंचित किए गए द्य

अघोषित बिजली कटौती से परेशान किसान, कांग्रेस ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

◆ समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो किसानों के साथ विद्युत मंडल का घेराव करेगी कांग्रेस : शरद शर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/नटेरन। नटेरन क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती से परेशान किसानों और आम नागरिकों की समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में तहसीलदार महोदय को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए बिजली कटौती की समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शरद शर्मा ने अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से किसानों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने विद्युत कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर भी अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखी

और कहा कि आम जनता तथा किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

शरद शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही विद्युत व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और अघोषित बिजली कटौती पर रोक नहीं लगी, तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी किसानों के साथ मिलकर विद्युत मंडल का घेराव करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों और आम नागरिकों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी तथा जरूरत पड़ने पर जनहित में आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने मांग की कि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति नियमित की जाए, अघोषित कटौती पर रोक लगाई जाए तथा विद्युत कर्मचारियों के व्यवहार और कार्यप्रणाली में सुधार सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों एवं आम नागरिकों को राहत मिल सके। ये रहे उपस्थित ज्ञापन सौंपने के दौरान रमेश तिवारी, देवेंद्र शर्मा, अनुज यादव, रघुवीर दीक्षित, रामू मीणा, नीलेश रघुवंशी, संतोष पटेल, हुकुम रघुवंशी, महेश दुबे, मनीष तिवारी, सुरेंद्र मीणा, सचिन रघुवंशी, रवि रघुवंशी, प्रवेश कुशवाहा, योगेश दांगी, हरनाम सिंह राजपूत, सुदामा प्रसाद जी सहित अन्य कांग्रेस जन एवं किसान एवं आम उपभोक्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार द्वारा नवरात्रि पर भव्य दीप महायज्ञ संपन्न: फूहड़ गानों और नशे से दूर रहने का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा/ शारदीय नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर गायत्री परिवार के तत्वावधान में आज्ञाराम कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर के पास स्थापित मां दुर्गा की झांकी प्रांगण में एक भव्य संध्याकालीन दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में धर्मप्रेमियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य आचार्य श्रीमती शोभा पवार ने नवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि- मां दुर्गा की सच्ची साधना और उपासना से हमारा मन और अंत:करण पवित्र होता है। यह पर्व हमारे भीतर की बुराइयों और नकारात्मकता को समाप्त करने का उत्तम अवसर है।

इसके साथ ही, उन्होंने आज की युवा पीढ़ी से एक विशेष और प्रेरणादायक अपील करते हुए कहा कि झांकियों और चल समारोहों (जुलूस) के दौरान फूहड़ व फिल्मी गानों के प्रयोग से बचें तथा नशे जैसी कुप्रवृत्तियों से पूरी तरह दूर रहें। उन्होंने सनातन धर्म की गौरवशाली परंपराओं का निर्वाह करते हुए जुलूसों की गरिमा और मर्यादा को बनाए रखने का आह्वान किया।

अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में निम्नलिखित महानुभाव उपस्थित रहे०- लायन अरुण कुमार सोनी (जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया) श्री शैलेंद्र सिरवैया (क्षेत्रीय पार्षद) पार्षद श्री शैलेंद्र सिरवैया ने इस पवित्र और सराहनीय आयोजन के लिए झांकी के आयोजकों और स्थानीय मोहल्लेवासियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। वहीं, लायन अरुण कुमार सोनी ने गायत्री परिवार द्वारा आयोजित इस दीप महायज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए जनसाधारण को इसके आध्यात्मिक लाभों से अवगत कराया।कार्यक्रम का समापन- दीपावली जैसे जगमगाते इस महायज्ञ में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ दीप प्रज्वलित किए। अंत में माँ दुर्गा की भव्य आरती हुई और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। उपस्थित जनता ने गायत्री परिवार के इस सुंदर एवं संस्कारवान आयोजन की भरपूर सराहना की। प्रमुख उपस्थिति- इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने में गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल थे- राम कटिहार, प्रकाश सोनकर, आर. पी. गुप्ता,हरि प्रसाद श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव प्रमुख ट्रस्टी, लायन बी पी सिंह, श्रीमती सुमन श्रीवास्तव, डॉ. लोकेश्वरी नेमा, श्रीमती गीता श्रीवास्तव, श्रीमती शशि श्रीवास्तव, सुश्री सुशीला श्रीवास्तव, दिलीप सक्सेना, अशोक गुप्ता .एवं क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिक व श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

फेस, आइरिस स्कैन के बाद परीक्षार्थी कर सकेंगे प्रवेश

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश अधिनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कराई जा रही प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (पैट) को सकुशल निर्विघ्न, निष्पक्षतापूर्ण एवं सुचितापूर्वक सम्पन्न कराने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही को क्षम्य नहीं किया जाएगा। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिलाधिकारी अवनीश राय ने प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (पैट) की तैयारियों की केन्द्र व्यवस्थापक, जोनल, सैक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट के साथ गहन समीक्षा बैठक आयोजित की। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा आयोजन में लगे सभी अधिकारी आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरश: पालन करते हुए परीक्षा को सम्पन्न कराएं। पैट परीक्षा 25, 30 अक्टूबर तथा 01 नवम्बर को दो पालियों में सम्पन्न होगी। प्रथम पाली प्रात: 10 बजे से मध्यान्ह 12 बजे तक द्वितीय पाली अपरान्ह 03 बजे से सांय 05 बजे तक आयोजित होगी। जनपद में 24 परीक्षा केन्द्रों पर 58896 परीक्षार्थी पैट परीक्षा हेतु पंजीकृत हैं।

डीएम ने कहा कि कोई भी परीक्षार्थी फेस एवं आइरिस स्कैन कराए बिना परीक्षा केन्द्र के अन्दर नहीं जाने दिया जाएगा। परीक्षा केन्द्र में ड्यूटी करने वाले समस्त स्टाफ से नो रिलेशन का प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किया जाए कि इस केन्द्र में उनका रिलेशन किसी परीक्षार्थी से नहीं है। परीक्षा केन्द्रों की सीसीटीवी से गहन निगरानी कराई जाएगी। डीएम ने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केन्द्रों में प्रकाश, पंखा, सफाई, महिला-पुरुष के अलग-अलग शौचालय तथा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

परीक्षा केन्द्र में कोई भी परीक्षार्थी मोबाइल फोन, टैबलेट, पेनड्राइव, हार्ड डिस्क, डेटाकार्ड, कैल्कुलेटर, ब्लूटूथ डिवाइस, इयरफोन, कलाई घड़ी, एटीएम कार्ड आदि सहित अन्य किसी प्रकार का इलैक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं ले जा सकेगा। सहायक परिवहन अधिकारी राज्य सड़क परिवहन निगम बसों के परिचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने स्टेशन मास्टर रेलवे को भी निर्देश दिए कि टेऊनों के आने-जाने के सम्बंध में निरन्तर घोषणा कराने की व्यवस्था करेंगे। कोई भी अभ्यर्थी छत पर चढ़कर यात्रा न करे, यह भी सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने परीक्षा केंद्रों के आसपास एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के बाहर पर्याप्त पुलिस बल लगाया जाएगा। इस अवसर अपर जिलाधिकारी मान्वेन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अंजुम बी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत लोगों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-6.0) के तहत एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में आज जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त मिशन शक्ति टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है इसी दौरान मिशन शक्ति 6.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना के बारे में जानकारी दी गयी शासन द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया। इस दौरान साइबर जागरुकता अभियान के तहत साइबर क्राइम, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट व साइबर क्राइम से बचाव हेतु जागरुक किया गया एवं सभी से अपील की गयी कि किसी अनजान व्यक्ति से अपना खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी नम्बर इत्यादि साझा ना करे।

संक्षिप्त समाचार

थाना बिसौली पुलिस नें 25000 का इनामी वांछित अभियुक्त को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी बिसौली के पर्यवेक्षण में चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना बिसौली पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 396/26 धारा 108/69 बीएनएस व 3/5(1) उत्तर प्रदेश विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 से सम्बन्धित 25000/-रु0 के इनामिया वांछित एक अभियुक्त जीशान पुत्र एहसान निवासी ग्राम करखेडी थाना बिसौली जनपद बदायूँ को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त को नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय से समक्ष पेश किया जा रहा है प्रभारी निरीक्षक सर्वेन्द्र कुमार शर्मा थाना बिसौली बदायूँ मय पुलिस टीम प्रभारी एसओजी मय टीम जनपद बदायूँ

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए आज 17, 24 को होगा विशेष कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच / उत्तर प्रदेश विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में एक जनवरी 2027 की अर्हता के आधार पर फोटोयुक्त वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए आज 17 अक्टूबर से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जनपद में चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 17 एवं 24 अक्टूबर को विशेष कार्यक्रम 2778 मतदेय स्थलों पर आयोजित होगा। सभी बीएलओ बूथों पर उपस्थित रहकर नाम जुड़वाने के लिए सहयोग करेंगे। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी अवनीश राय ने सम्बंधित अधिकारियों सहित राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन आयोग की मंशा से अवगत कराया। मतदेय स्थलों का संभाजन और पुनर्गठन 02 नवंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर 2026 को एकीकृत निर्वाचक नामावलियों का प्रारूप प्रकाशित होगा। इसके बाद मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावों और आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची 04 जनवरी 2027 को प्रकाशित होगी। डीएम ने बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे विशेष पंजीकरण अभियान का अपने स्तर से भी व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 से पहले मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए इस अभियान को महत्वपूर्ण बताया गया।

राजनाथ सिंह पर अजय राय का पलटवार, बोले- चुनावी गड़बड़ी से जीते पीएम मोदी

कांग्रेस नेता अजय राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2024 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी से जीत पर कथित चुनावी गड़बड़ी और प्रशासनिक मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। उन्होंने मतगणना के शुरुआती रुझानों और निर्वाचन आयोग के अपडेट पर सवाल उठाए।कांग्रेस नेता और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2024 के लोकसभा चुनाव में वाराणसी से जीत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने चुनाव में कथित गड़बड़ी और प्रशासनिक मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। अजय राय ने यह बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उस टिप्पणी के जवाब में दिया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को समाजवादी पार्टी (सपा) के समर्थन के बिना चुनाव जीतकर दिखाने की चुनौती दी थी। हालांकि, अजय राय के आरोपों के समर्थन में इस बयान में कोई स्वतंत्र प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। लोकसभा सीट के चुनाव परिणाम पर भी बात करनी चाहिए।

जनविश्वास के साथ विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखी, कलेक्टर-एसपी ने लटेरी में किया सघन भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को लटेरी तहसील क्षेत्र के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विभिन्न विशेष शिविरों, जनसंवाद कार्यक्रमों एवं विभागीय गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप आमजन को शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने संयुक्त रूप से लटेरी क्षेत्र का सघन भ्रमण किया।

कलेक्टर श्री गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री काशवानी ने विभिन्न शासकीय संस्थानों, निर्माणाधीन भवनों, विद्यालयों, स्वास्थ्य संस्थाओं, आंगनवाड़ी केन्द्रों, छात्रावासों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आंगनवाड़ी केन्द्रों में पहुंचकर जानी व्यवस्थाएं विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं का भी लिया जायजा - नगर परिषद लटेरी द्वारा कराए गए तालाब सौंदर्यीकरण कार्य एवं भुजारिया घाट का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने क्षेत्र की नागरिक सुविधाओं और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों को व्यवस्थित एवं उपयोगी बनाए रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। पैक्स एवं उद्यम संवाद कार्यक्रम में सहभागिता भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने पैक्स लटेरी का निरीक्षण कर संबंधित गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

What is Lord Jagannath's divine kitchen like, where even the stoves rest for 12 days? Potatoes and tomatoes are strictly prohibited.

Spreading from Odisha, the Rath Yatra of Lord Jagannath, Balabhadra, and Goddess Subhadra now spans the entire country. Let's explore the history of this divine journey, beginning July 16th this year, with Surendra Kumar Mishra, whose original Odia article has been translated by Sujata Shiven. The Vedas mention the chariots of Goddess Usha and Lord Agni. The Vedas also mention various types of chariots. There are also many chariot-shaped temples in India. To the left of the Konark Temple and the Seemachal Temple, there is a small chariot-shaped temple. The builder of both these temples is Langula Narasimha Deva. We can also call them "stone chariots." The chariot tradition is prevalent in South India as well. The Thyagaraja Temple in Thiruvananthapuram, the Suchindram Temple, the Meenakshi Temple, the Srirangam Temple, and the Narasimha Temple in Seemachal have Rath Yatra traditions. The chariot at the Seemachal Temple is kept for public viewing throughout the year. The chariot traditions of Srilingaraj and Goddess Biraja in Jajpur are also very ancient in Odisha. One is a Shaivite Rath Yatra, while the other is a Shakta Rath Yatra. Description in the Skanda Purana The Jagannath Rath Festival in Odisha is unique and world-famous throughout India. The Jagannath Rath Festival in the Sri Purushottam Kshetra has been held since ancient times, yet the exact year of its inception has not yet been determined. According to scriptures, it is believed to have begun in the first century BCE, when King Indradyumna first brought the Sri Chaturdavigraha from Aadampandam to the Singhadwara in a chariot. This description is found in the Skanda Purana. Recent research by German researchers suggests that this Purana dates back to at least the first century BCE. The traditional belief is that the Rath Yatra has been prevalent since the time of Mahaprabhu's appearance. Various theories exist regarding its origin in Yayati's fortunate history. Pandit Sadashiv Rathsharma has dated the Rathchakra book by studying it. He mentions that it was preserved in the Barodiya monastery in Puri, in his book titled "Darubrahma's Culture and the Ghoshyatra of Shri Gundicha from Age to Age." It was edited by Shri Paramananda Adhikari. It was published by the New Student Store in Cuttack in 1981. The author of this book is Bhikhari Patnaik. This book mentions that Mahaprabhu's Rath Yatra occurred during the time of Maharaja Yayati, i.e., in the ninth century. Pandit Murari Mishra's play "Anargharaghav" has also been determined to be a ninth-century work. In that, only the word "Yatra" (journey) of Purushottam is accepted by the pundits as a metaphor for Rath Yatra. If we accept both the theories, then Mahaprabhu's Rath Yatra was also taking place during the time of Maharaja Yayati in the ninth century. According to the description in the book "The Tradition of the Seven Chariots," the Srimandir was 48 cubits high. However, in the Manjala Panji, the word "Patol" is used instead of "Srimandir" and the height is mentioned as 38 cubits. Since the temple was smaller, all the idols were correspondingly smaller, hence the height of the chariot is written as 18 cubits. At that time, seven chariots were constructed. From the Singhdwar, the Srivigraha was carried to Balgandhi in all three chariots. A smaller chariot ran in front of these three chariots. This chariot was pulled not by devotees but by horses. The devotees played various musical instruments on it. These four chariots initially stopped on the banks of the Balganthi Malini River. After crossing the river, the idols would board the three chariots and proceed to the Sri Gundicha Temple. The three chariots on the other side of the river were built at Indradyumpatana. This location was certainly located somewhere called Indradyum Tirtha, but remains unidentified. History of the Indradyum workshop reveals that a river flowed northwest of Indradyum Tirtha. At that time, the river was used for transportation. Settlements or villages along the river were called "Patana." Villages named "Patana" still exist along the river in many areas. Four-wheeled chariots were built at Indradyumpatana. Dr. Harekrishna Mahatab, in his Odisha History, writes that during the reign of Maharaja Bhanudev I (1264 to 1278), there were three chariots for the idols instead of six. The exact date when the construction of horse-drawn chariots ceased is unknown. The glory of the Malhar Monastery: Initially, there were seven stewards responsible for chariot construction, known as "Saptarathakar" (servants). They were "Gunakar," "Mukhyarathakaar," "Lohakar," "Chekakaar," "Rupakaar," "Chitkar," and "Suchikaar." Later, due to the convenience of chariot construction, these seven stewards expanded to 36. After disembarking from the chariot, the deities would board a "Chaap" (boat) and travel to Badadanda, thus creating the "Rath Chapdalei" (Chariot Chapdalei). With the construction of three chariots, they were no longer needed. These Chapdalei were part of Gajapati's navy. At that time, the naval force, known as Malhars, was more needed than the land force. These naval soldiers were very powerful and combative. Recognizing their need for the Rath Yatra, Gajapati provided them with a place near the Mausi Temple in Baradanda, Puri. Initially, the site was known as the Malhar Matha, later becoming known as the Malei Matha. This Malei Matha was a focal point for the spirituality of the Malhars throughout Odisha. Living there, they offered their services during the Rath Yatra. Later, reports emerged that the services of several of the 36 Niyogas had been discontinued. Social Harmony and Equal Rights During the reign of the Suryavansh dynasty, 64 types of servants were appointed to construct and supervise the chariots. This system continued until the reign of the Bhoi dynasty. In the past, after Odisha's subjugation, 12 of these services were discontinued. However, it is worth noting that people from all four castes of society were, and still are, involved in chariot construction and the Rath Yatra. Seven types of servants from the Dalit community served in the chariot construction and continue to do so. The key to the transformation of the 'Rath Yatra' into the 'Gana Yatra' of Odisha was the equal rights for all. The Gajapatis played a crucial role in creating this mentality of cooperation and companionship. The Rath Yatra laid the foundation for ethnic unity… a great tradition that continues to be glorious. Mahaprabhu's Maharasoi—the kitchen of Mahaprabhu Shri Jagannath Ji—has the distinction of being the largest and holiest kitchen in Sanatan culture, where Mahaprasad (Abhada) is prepared daily for thousands of devotees. Located in the southeastern courtyard of the Jagannath Temple, approximately two hundred and forty stoves operate continuously in this Maharasoi, where hundreds of Brahmin cooks and their assistants render their services with absolute purity. All food in this complex is cooked only in new clay pots. The traditional cooking technique used here astonishes even modern thermal science. Seven clay pots are placed vertically, one above the other, on the sacred fire of the stove. Contrary to normal physical laws, the food in the vessel farthest from the flame, i.e., the topmost vessel, is cooked first, and the vessel closest to the flame is cooked last. There are two main forms of Jagannath Ji's Mahaprasad. The first is "Sankhurdi," which includes simple grains, ghee-rice, sweet kanika, arhar dal, and traditional cooked dishes like dalma; and the second is "Sukhila," which includes layered khaja ??with syrup and dry sweets like sarpuli made from milk cream. The kitchen's cooking method forbids the use of onion and garlic, and not even a single grain of foreign origin, such as potatoes, tomatoes, cauliflower, and green chilies, can enter its boundaries. Only black pepper and dry ginger are used for pungency, and water is drawn only from the wells called "Ganga" and "Yamuna." Countless devotees enjoy this great prasad at Anand Bazaar in the temple's northeast complex. However, during the Rath Yatra, when the Lord leaves the main temple and sits on the chariot, the stoves in the main kitchen rest for 12 days. During the Rath Yatra, only dry and cool offerings are made to Mahaprabhu. Subsequently, when the Deity reaches its aunt's house, the Sri Gundicha Temple, the temporary kitchen there is activated and hot abhada is prepared using the same traditional Sapta-Handi method. When the chariot stops at its aunt's doorstep, a special offering of Poda Pitha is made to Mahaprabhu.

The secret to silky and shiny hair isn't expensive shampoos, but the "Japanese way" of washing hair. Definitely try it.

Japanese women are known for their silky and shiny hair, the secret to which lies not in expensive products, but in proper hair washing techniques. Japanese women are known worldwide for their naturally silky, smooth, and shiny hair. The secret to their beauty lies not just in expensive products, but in proper hair cleansing, scalp care, and a proper routine. This technique doesn't just wash hair, but in making it healthy from within. If your hair is dry, lifeless, frizzy, or weak, this method can be very helpful in making your hair healthy. Let's learn about this Japanese hair washing technique. What is the Japanese way of washing hair? Pre-combing: It's essential to comb dry hair thoroughly before washing. This loosens knots, removes dust and pollution, and improves blood circulation in the scalp. This helps the shampoo reach the scalp properly, making cleaning more effective. Deep Wetting with Lukewarm Water - In the Japanese method, hair is first soaked thoroughly in lukewarm water for 1-2 minutes. This opens the scalp pores, loosens oil and dirt, and reduces the need for shampoo. Lukewarm water is best for this. Applying Shampoo by Foaming - Instead of applying shampoo directly to the scalp, take a small amount of shampoo in your palms and create a lather with water. Apply this foam gently to the scalp. This reduces the direct exposure to chemicals and prevents hair damage. Scalp Massage - Massage the scalp gently with your fingertips in circular motions for 2-3 minutes. Avoid using your nails. This massage increases blood circulation, reduces hair fall, controls dandruff, and supports hair growth. Rinse thoroughly - It is very important to rinse the shampoo thoroughly. Even a small layer of residue can cause scalp itching, stickiness, and hair fall. Rinse with cold or normal water for a natural shine. Use conditioner smartly: Always apply conditioner to the mid-lengths and ends of your hair, not the scalp. Leave it for 2-3 minutes before rinsing. This leaves hair soft, smooth, and frizz-free. Dry properly: Instead of rubbing your hair vigorously, gently press it with a towel. A microfiber towel is best. Applying pressure to wet hair can cause breakage. Air-dry and nourish: Japanese hair care minimizes the use of heat tools. Let your hair dry naturally, and apply a little argan oil or hair serum to lock in moisture. If you follow this Japanese hair washing method regularly, your hair will appear stronger, silkier, smoother, and shinier within a few weeks.

"I have to face it..." Govinda's friends used to send him abusive videos of Sunita, and his wife exited 'Lock Up 2'.

Govinda appeared on Lock Up Season 2. He spoke openly about Sunita Ahuja. Govinda's wife, Sunita Ahuja, has been released from the captivity of the Netflix reality show Lock Up Season 2. After her eviction, Govinda came to the reality show to pick up his wife Sunita. Sunita was not feeling well, so she decided to leave the show. The makers invited Govinda to the show to pick her up for Sunita's exit. Govinda called his wife "kid" - Govinda and Sunita Ahuja discussed many things on the show. Show host Farah Khan commented that people are fans of Sunita's language. Does she talk like this at home too? Govinda then called his wife "child," saying she was a child. Farah agreed with him. Why did Sunita leave Lock Up 2? Sunita Ahuja then explained why she was exiting the show. She said, "I'm not feeling well because my diabetes isn't under control. I'm very stressed, and that's also because I'm going through menopause. I'm in pain and having trouble breathing. That's why I kept saying I have to leave." Govinda also revealed that friends used to send him abusive videos of Sunita. He added, "It's okay. I've endured it." Govinda also said that whatever happens within a family should be kept within the home. The actor also said that he pampered his family.

Christopher Nolan was seen enjoying tea and bun-maska ??in Mumbai, while Tom Holland and Matt Damon also shared a desi breakfast.

Yesterday, before the premiere of The Odyssey, director Christopher Nolan and the film's star cast were seen enjoying a desi breakfast. The most anticipated film of the year, The Odyssey, is set to be released in a few days. promote his film, which also premiered director Christopher Nolan has this time, he not only promoted his film cuisine. The Odyssey team, on a tea the opportunity to enjoy a desi break with his co-stars and went to a bun-maska. Pictures of Christopher have surfaced on social media. The bun-maska ??with the film's stars, Tom shared the photos on Instagram, with of The Odyssey in Mumbai. A big night on social media, and fans are showering breakfast. When will The Odyssey after three years with The Odyssey. Anne Hathaway, Travis Scott, Robert

Director Christopher Nolan has come to India to in India. This is the first time Hollywood veteran premiered or promoted a film in India. However, among Indian audiences but also tasted Indian break, not only promoted The Odyssey but also took breakfast. Just before The Odyssey, he took a tea local restaurant in Mumbai, where they had tea and Nolan enjoying bun-maska ??before the premiere legendary director can be seen enjoying tea and Holland and Matt Damon. Universal Pictures India the caption, "Quick tea break before the premiere is coming, but tea first." His photos are going viral him with love after seeing him enjoying the local release? Christopher Nolan returns to the big screen The film stars Matt Damon, Tom Holland, Zendaya, Pattinson, Elliot Page, and Mia Goth. The film is scheduled to release in theatres worldwide on July 17.

That old song by Meenakshi Seshadri: A thorn pricking her, yet she didn't stop dancing, a cult following for 43 years.

This cult song was released 43 years ago. This singer sang this song - an interesting anecdote from the shooting. Who doesn't know actress Meenakshi Seshadri, who ruled the film industry from the 80s to the 90s? Today, we're going to tell you about one of Meenakshi's cult songs, during the shooting of which she defied the pain. During the shooting of that song, Meenakshi Seshadri was pricked by a thorn, yet she didn't stop dancing.

Let's find out which cult song it was. That cult song by Meenakshi Seshadri: If you're passionate about your work, you forget all pain. Actress Meenakshi Seshadri displayed similar passion during the shooting of the 1983 film Hero. Recalling this film, Meenakshi says, "Our goal was to have the entire team come together and finish the work within the stipulated time. For example, we shot the song 'Tu Mera Hero Hai' from the film 'Hero' in the Manori area of ??Mumbai. There were many cactus plants there. During the shooting, a large thorn pricked my finger and broke it, but we had to finish the song on time. So, I shot the song with that thorn stuck in my hand. The thorn was hurting my hand, and I was giving romantic expressions with Jackie in the song. When we packed up after the shooting, someone removed the thorn from my hand. That was how committed we were to our work." Let us tell you that this romantic song from the film 'Hero' was sung by singers Anuradha Paudwal and Manhar Udhas. Returning to India after 30 years, Meenakshi is now ready to return to cinema after a long absence from the film industry. She says, "After 30 years in America, I've returned to India. In the last three years, I've read numerous scripts and received numerous offers, especially from OTT platforms. Very good news is coming soon."

R Madhavan got his first film offer on the street, quit his job for 80,000 to pursue an acting career.

Popular actor R Madhavan used to work in Mumbai for 80,000 rupees before acting. R Madhavan earned a salary of 80,000 rupees. He had a job in Mumbai before entering films - he made his debut in the film industry with this movie. If we talk about legendary actors today, R name is included. Hindi cinema, proved his powerful why he is of the most in the film did you know pursuing an he already in Mumbai 80,000

Madhavan's definitely From South to Madhavan has mettle with his acting. This is considered one versatile actors industry. But that before acting career, had a good job with a salary of rupees? Let's find out in this article: It's often heard that film stars begin their journey in Mumbai with great struggle. Each artist has their own unique and challenging backstory. But this wasn't the case for R. Madhavan. In an interview with renowned author Chetan Bhagat, R. Madhavan revealed that he was already settled in his life before starting his film career in Mumbai. He said, "When I came to Mumbai, it wasn't like I was in dire straits. I didn't come here to become an actor. I had a good job, paying 70,000 to 80,000 rupees a month. I came to this city to learn tech communication and public speaking, and then I got a job. I spent my entire salary, which was a huge sum in those days." He further explained, "When I was in 12th grade, I decided that I wanted to become a very rich man and famous. I wrote this in my notebook at the age of 17, and it remains there today. I took a vow based on my thinking and moved forward." But you'll be surprised to know that I got my first film offer on the side of the road. A man came up to me and asked, "Would you like to act?" I thought it was a scam, but later I realized I was actually going to get my first film. R. Madhavan was approached to audition for the legendary South Indian film director Mani Ratnam's film "Alaipayuthey," which was released in 2000. This film marked the beginning of Madhavan's acting career. R. Madhavan also revealed that he never imagined a superstar like Amitabh Bachchan would wish him on his birthday. Madhavan's upcoming films: After the Dhurandhar franchise, R. Madhavan's demand has increased significantly. His upcoming films include Shaitan 2, the 3 Idiots sequel, GDN, and Adhisthshali.